रक्षा लेखा महानियंत्रक का संदेश

रक्षा लेखा महानियंत्रक का पदभार ग्रहण करना तथा 278 वर्षों से अधिक की समृद्धिशाली और महती विरासत वाले रक्षा लेखा विभाग का नेतृत्व करना मेरे लिए अत्यंत गौरव और सम्मान का विषय है।

2. विभाग द्वारा पिछले वर्षों में हासिल की गई प्रगति और व्यावसायिक उपलब्धियाँ, हमारे पूर्व और वर्तमान सम्मानित वरिष्ठ अधिकारियों के दूरदर्शी नेतृत्व और हमारे कर्मचारियों की अथक प्रतिबद्धता और प्रयासों का प्रमाण हैं। इसलिए, यह हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है कि हम न केवल अपनी इस सुदृढ़ संरचना को और दृढ़ बनाएं, बल्कि विभाग को नई ऊँचाइयों पर ले जाएँ और व्यावसायिकता और सेवा प्रदान करने के नए मानक स्थापित करें। इस प्रयास में, हमें वर्षों से प्राप्त प्रज्ञता को अपने कर्मचारियों की युवा ऊर्जा के साथ जोड़ना होगा। मैं इस प्रयास में सभी कार्मिकों से सहयोग की अपेक्षा करता हूँ।

3. रक्षा व्यय में वृद्धि, खरीद प्रक्रियाओं और भुगतान प्रणालियों में पेचीदगी आने से, आंतरिक लेखापरीक्षा, भुगतान, लेखा और वित्तीय सलाह जैसे हमारे मुख्य कार्यात्मक क्षेत्रों में हमारी भूमिका पिछले कुछ वर्षों में और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गई है। तीव्र,

पेशेवर और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने की महत्वाकांक्षा के लिए यह आवश्यक है कि हम संगठन के परम उद्देश्यों और वित्तीय विवेक की आवश्यकता के बीच संतुलन बनाए रखें।

4. भविष्य में हमारी प्राथमिकता लेखापरीक्षा, लेखा और भुगतान सेवाओं को तीव्र और सटीक बनाना, हमारे कार्मिकों की क्षमताओं को बढ़ाना, हमारे गौरवशाली विभाग की विरासत को समृद्ध बनाना तथा निष्पक्ष, त्वरित एवं सटीक वित्तीय सलाह प्रदान करना होगी।

5. इसलिए, हमारी भूमिका और दृष्टिकोण नियंत्रक की बजाय एक फेसिलिटेटर का होना चाहिए। इसके लिए हमें अपने साथ जुड़े संगठनों के साथ तालमेल बनाए रखने, उनकी आवश्यकताओं और बाधाओं को समझने तथा वित्तीय नियमों की परिधि के भीतर, बड़े राष्ट्रीय और संगठनात्मक लक्ष्यों की प्राप्ति को सुगम बनाने की आवश्यकता है।

6. व्यक्तिगत दावों का निपटान और भुगतान हमारे कार्य का एक ओर क्षेत्र है जो कार्मिकों के मनोबल को सीधे प्रभावित करता है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम इनका तत्परता और संवेदनशीलता के साथ निपटान करें।

7. विभाग हमेशा से ही प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी रहा है और हमारे प्रतिभाशाली कार्मिकों द्वारा आंतरिक रूप से विकसित कई प्लेटफार्मों और समाधानों के माध्यम से विभाग ने प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया है। इन प्रणालियों ने हमारी आवश्यकताओं को भलीभांति पूरा किया है। अब समय आ गया है कि डिजिटलीकरण के स्तर को बढ़ाया जाए और हमारे सभी प्रमुख प्लेटफार्मों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक त्वरित अद्यतित प्रणाली की ओर कदम बढ़ाया जाए। हमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डाटा-आधारित जोखिम मूल्यांकन के उपयोग को अपनाना होगा जिसमें एक केंद्रीकृत डाटाबेस के माध्यम से निर्णय लेना शामिल है। SAMPURNA (System Automation for Procurement, Payment and Uniform Raksha Accounting) और CPS (Centralised Pay System) का शीघ्र कार्यान्वयन विभाग की उच्च प्राथमिकता बनी रहेगी।

8. इस अवसर पर, मैं आप सभी से यह भी आग्रह करता हूँ कि आपको यह सदैव स्मरण रहे कि हमारे कार्य और निर्णय समग्र रक्षा तैयारियों और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों की प्राप्ति को प्रभावित करते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, हमें सदैव पारदर्शिता और ईमानदारी को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाने चाहिए और किसी भी निर्णय पर पहुँचने से पहले उसके परिणामों का सावधानीपूर्वक आकलन करना चाहिए। हमें किसी भी प्रकार के कदाचार अथवा अनुचित प्रभाव के साथ सख्ती से निपटना होगा। आने वाले दिनों में, मैं आप सभी के साथ इन मुद्दों पर नियमित रूप से अलग-अलग चर्चा करूँगा जिनका मैंने संक्षेप में उल्लेख किया है।

9. मैं आपके सुझावों और विचारों का स्वागत करता हूँ जो हमारे विभाग को अधिक प्रभावी, कुशल और उत्तरदायी बनाने तथा नए और उच्च व्यावसायिक मानक स्थापित करने में सहायक होंगे।

जय हिंद

विश्वजीत सहाय

(विश्वजीत सहाय)
रक्षा लेखा महानियंत्रक